Chapter- 13

शरारती मेहुल

STUDY NOTES

सरल भाषा में कहानी वर्णन-

एक छोटे से शहर में मेहुल नाम का एक लड़का अपने परिवार के साथ रहता था । मेहुल बहुत शरारती लड़का था। मेहुल के परिवार में उसके पिताजी, माताजी,उसके दादी, दादा सब मिलकर आराम से रहते थे। मेहुल को सब बहुत प्यार करते थे तथा शरारत ना करने की सलाह भी हमेशा देते थे। एक दिन की बात है, मेहुल को एक शरारत सूझी उसने क्या किया अपनी खिड़की से सौ रूपये के नोट को रस्सी से बाँधकर इधर-उधर हिलाने लगा, तभी दूर से आते हुए एक आदमी की नजर उस सौ रूपये के नोट पर पड़ी वह व्यक्ति उस नोट को लेने के लिए उसके पीछे-पीछे जाने लगा यह देखकर मेहुल को जोर से हँसी आने लगी तभी वह आदमी अचानक से आगे की और थोड़ा सा गिर पड़ा तभी अचानक से घर में टेलीफोन की घंटी बजती है और मेहुल दौड़ कर फोन की और चलाता है। मेहुल सबसे पहले फोन उठाकर कहता है आपको किससे बात करनी है, फोन की दूसरी तरफ मिस्टर राकेश रहते हैं वह पूछते हैं बेटे क्या पापा घर पर हैं, तभी मेहुल कहता है नहीं अंकल पापा ऑफिस गए हैं तभी मिस्टर राकेश कहते हैं ठीक है मैं ऑफिस में ही फोन कर लूँगा यह कह कर वह फोन रख देते हैं। तभी दादी माँ मेहुल से पूछती है मेहुल बेटा किसका फोन था मेहुल कहता है दादी पापा के लिए फोन था, यह कह कर वह अपने काम में लग जाता है। मेहुल एक जगह बैठ कर मन ही मन सोचता है क्यों ना थोड़ा टाइम पास किया जाए दूसरों को फोन करके परेशान किया जाए तभी वह क्या करता है तुरंत अपनी कक्षा की सोनाली के घर का नंबर लगाता है क्योंकि सोनाली बहुत डरपोक लड़की है। मेहुल सोनाली को फोन लगाता है सोनाली फोन उठाकर कहती है हैलो मैं सोनाली दूसरे फोन पे मेहुल कहता है मैं दोनाली यह सुनकर सोनाली हँसने लगती है तभी मेहुल क्या करता है कहता है इतनी जोर से क्यों हँस रही हो तुम्हारे सारे दाँत निकाल दूँगा बहुत डरावनी आवाज में कहता है सोनाली यह सुनकर डर जाती है और रिसीवर को रखते हुए अपनी मम्मी के पास जाती है।

यह सुनकर मेहुल जोर जोर से हँसता है, मेहुल दूसरा नंबर पुलिस स्टेशन में लगा देता है अंकल अंकल हमारे घर में लुटेरे घुस आए हैं मैं सेठ जीवन राम के घर से बोल रहा हूँ यह सुनकर पुलिस कहते हैं तुम घबराओ नहीं बैटे हम जल्दी पहुँच रहे हैं पुलिस तुरंत सेठ जीवन राम के घर पहुँच जाती है जीवन राम जी कहते हैं अरे इंस्पेक्टर साहब आप हमारे घर पुलिस ने कहा आपके घर से फोन गया था आपके घर में लुटेरे घुस आए हैं फोन आप के पोते ने किया था इंस्पेक्टर साहब ने कहा मगर मेरा पोता तो कमरे में सो रहा है किसी दूसरे ने किया होगा तभी इंस्पेक्टर साहब कहते हैं किसी ने हमारे साथ बड़ा मजाक किया है। इधर दरवाजे की घंटी बजती है दादी दरवाजा खोलती है ऑफिस से चपरासी अंकल आए हैं, दादी पूछती है बेटा तभी चपरासी अंकल कहते हैं साहब ऑफिस की सीढियों से गिर गए हैं उनके पैरों में बहुत चोट आई है वह अस्पताल में हैं हम आपके घर का नंबर कब से मिला रहे हैं पर फोन बिजी आ रहा था इसलिए मुझे आना पड़ा यह सुनकर मेहुल डर गया तभी अचानक से इंस्पेक्टर साहब आ जाते हैं और पूछते हैं क्या यह मिस्टर परमार का घर है दादी कहती है जी हाँ आपको हमारे साथ पुलिस स्टेशन चलना होगा किसी बच्चे ने आपके फोन से हमें गलत सूचना दी है हमें बहुत परेशान किया है तभी पुलिस मेहुल से पूछती है तुम्हारा नाम क्या है ? मेहुल कहता है मेरा नाम मेहुल परमार है तभी दादा दादी कहते हैं हमारा बेटा अस्पताल में है हम बहुत परेशानी में है तभी इंस्पेक्टर साहब कहते हैं एक काम करते हैं चलिए हम भी आपके साथ अस्पताल चलते हैं और वे सभी अस्पताल जाते हैं इंस्पेक्टर साहब ने मिस्टर परमार से मेहुल की सारी हरकतों के बारे में बता दिया यह सुनकर मेहुल के पिता ने कहा इंस्पेक्टर साहब मेहुल की गलती के लिए मैं बहुत शर्मिंदा हूँ यह सुनकर मेहुल रोते हुए पापा से कहता है पापा मुझे माफ कर दीजिए मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई मैं जीवन में अब कभी भी किसी को परेशान नहीं करूँगा, तभी पापा समझाते हैं बेटा फोन पर बात जरूर करो पर किसी को तंग करने के लिए नहीं। मेहुल दादी से लिपटते हुए दादी दादी अब में जीवन में कभी भी शरारत नहीं करूँगा।

कहानी की सच्ची सीख-

प्यारे बच्चों इस कहानी से हमने यह सीखा कि फोन जरूरी बातें करने के लिए होता है ना की किसी को बेवजह तंग करने के लिए।

पाठ की कुछ मुख्य रोचक बातें-

१. बिना कारण किसी को परेशान नहीं करना चाहिए।
२. बड़ों का कहना मानना चाहिए।
३. किसी भी यंत्रों का गलत उपयोग नहीं करना चाहिए।
४. बिना वजह किसी को परेशानी में डालने वाला मजाक कभी भी नहीं करना चाहिए।
५. हम अगर दूसरे का बुरा सोचेंगे तो हमारा भी बुरा होगा।

मौखिक प्रश्न उत्तर-

१. मेहुल को हमेशा क्या सूझता था ?
उत्तर- मेहुल को हमेशा शरारत सूझता था।
२. नए फोन पर पहली कॉल किसकी आई थी ?
उत्तर- नए फोन पर पहली कॉल पापा के दोस्त मिस्टर राकेश अंकल की आई थी।
३. सोनाली कैसी लड़की थी ?
उत्तर- सोनाली बहुत डरपोक लड़की थी।
४. मेहुल ने इंस्पेक्टर से क्या कहा ?
उत्तर- मेहुल ने इंस्पेक्टर अंकल से यह कहा कि हमारे घर में कुछ लूटेरे घुस आए हैं मैं सेठ जीवन राम के घर से बोल रहा हूँ आप जल्दी आइए।
५. जीवन राम ने इंस्पेक्टर को क्या बताया ?
उत्तर- जीवन राम ने इंस्पेक्टर साहब को यह बताया कि हमारे घर में कोई लुटेरे नहीं आए हैं, आपको किसी ने गलत सूचना दी है।

लिखित प्रश्न उत्तर-

१. किसने किससे कहा ?
क) 'नहीं अंकल वे तो ऑफिस गए हैं।'

उ: यह वाक्य मेहुल ने मिस्टर राकेश से कहा था।

ख) 'मगर वह तो अपने कमरे में सो रहा है किसी और ने फोन किया होगा।'

उ: यह वाक्य सेठ जीवन राम ने इंस्पेक्टर साहब से कहा था।

ग) 'साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उन्हें चोट आई है।'

उ: यह वाक्य ऑफिस के चपरासी अंकल ने दादी जी से कहा था।

घ) 'चलिए हम भी आपके साथ अस्पताल चलते हैं।'

उ: यह वाक्य इंस्पेक्टर साहब ने मेहुल के दादा दादी से कहा था।

२. प्रश्नों के सही उत्तर दें-

क) मेहुल कैसा लड़का था?

उ: मेहुल एक समझदार लड़का होने के साथ-साथ वह बहुत शरारती भी था।

ख) मेहुल ने अपनी कक्षा की सोनाली को फोन पर क्या कहा?

उ: मेहुल ने अपनी कक्षा की सोनाली को फोन पर यह कहा कि खबरदार जो इतनी जोर से हँस रही हो मैं तुम्हारे सारे दाँत निकाल दूँगा।

ग) चपरासी ने दादी को क्या बताया?

उ: चपरासी ने दादी को यह कहा कि साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उनके पैरों में बहुत चोट आई है और साहब अस्पताल में भर्ती हैं।

घ) हमें टेलीफोन का प्रयोग कब करना चाहिए?

उ: हमें जब किसी को कोई जरूरी खबर देनी हो या किसी प्रकार की कोई जरूरी जानकारी प्राप्त करनी हो तभी हमें टेलीफोन का प्रयोग करना चाहिए ।

३. मूल्यपरक प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क) 'शरारत करने से कभी-कभी शरारती फँस जाता है।' मेहुल अपनी शरारत के कारण कैसे फँसा लिखिए।

उ: शरारत करने से सभी शरारती फँस जाते हैं क्योंकि यह बात बिल्कुल सही है कि आप अगर दूसरों को परेशान करोगे तो भगवान आपको भी परेशानी में जरूर डालेगा जिसका

सबसे बड़ा उदाहरण मेहुल है जिसने फोन के जरिए सब को परेशान किया जब उसके पिता की गिरने की खबर घर पर ऑफिस के लोग देनी चाही पर वे समय पर नहीं दे पाए थे क्योंकि घर का फोन बिजी आने के कारण समय पर खबर नहीं पहुँच पाया था ।

ख) मेहुल ने शरारत ना करने का निर्णय क्यों लिया ?

उ: मेहुल ने जब देखा उसकी नादानी के कारण सबको कितनी मुसीबत उठानी पड़ी तब उसने यह निर्णय लिया कि वह जीवन में कभी भी शरारत नहीं करेगा और एक अच्छा बच्चा बनेगा।

भाषा-ज्ञान-

१. आओ जानें कुछ नुक्ते वाले शब्द-

लड़का

खिड़की

पकड़ने

माफ

२. आओ जाने कुछ द्वितीय व्यंजन वाले शब्द-

भद्दा

मम्मी

उम्मीद

प्रसन्नता

३. आओ जाने कुछ संयुक्त व्यंजन वाले शब्द-

सूत्रधार

कक्षा

यत्नों

बच्चा

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

GROUP
Changing your Tomorrow

४. पुल्लिंग स्त्रीलिंगपुल्लिंग स्त्रीलिंग

मोर	मोरनी	लेखक	लेखिका
शेर	शेरनी	पाठक	पाठिका
ऊँट	ऊँटनी	नायक	नायिका
हाथी	हथिनी	गायक	गायिका
घोड़ा	घोड़ी	सेवक	सेविका
कटोरा	कटोरी	अध्यापक	अध्यापिका
बेटा	बेटी	शिक्षक	शिक्षिका
बच्चा	बच्ची	सुनार	सुनारिन
चिड़ा	चिड़िया	कुम्हार	कुम्हारिन

♦♦♦

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow